

## PSALMI.

|   |     | FOL. |
|---|-----|------|
| Ad Dominum cum tribularer.....          | 43  |      |
| Beati immaculati.....                   | 22  |      |
| Beati omnes qui timent Dominum          | 45  |      |
| Beatus vir qui timet Dominum...         | 39  |      |
| Benedic anima mea.....                  | XLI |      |
| Cantate Domino....cantate.....          | XL  |      |
| Cantate Domino....Laud ejus ....        | 19  |      |
| Confitebimur tibi Deus.....             | 157 |      |
| Confitebor tibi....in consilio.....     | 39  |      |
| Confitebor tibi....quoniam.....         | 46  |      |
| Conserva me Domine.....                 | 193 |      |
| Credidi, propter quod.....              | 43  |      |
| Cum invocarem.....                      | 55  |      |
| De profundis clamavi.....               | 45  |      |
| Deus Deus meus ad te.....               | 16  |      |
| Deus in adjutorium.....                 | 142 |      |
| Deus in nomine tuo.....                 | 23  |      |
| Deus judicium tuum.....                 | 150 |      |
| Deus Deus meus respice.....             | 170 |      |
| Deus miseretur nostri.....              | 16  |      |
| Deus noster refugium et virtus... XXXIV |     |      |
| Deus ultionum Dominus.....              | 183 |      |
| Deus venerunt gentes..... XXXV          |     |      |
| Dilexi quoniam exaudiet.....            | 42  |      |
| Dixit Dominus Domino meo.....           | 37  |      |
| Domine clamavi ad te.....               | 49  |      |
| Domine Deus salutis.....                | 187 |      |
| Domine exaudi....auribus.....           | 193 |      |
| Domine ne in furore....quoniam..        | 179 |      |
| Domine probasti me.....                 | 47  |      |
| Domine quis habitabit.....              | 197 |      |
| Domine refugium factus es.....          | 164 |      |
| Domini est terra.....                   | 204 |      |
| Dominus illuminatio.....                | 173 |      |
| Dominus regit me..... XXXII             |     |      |
| Dominus regnavit decorum.....           | 15  |      |
| Ecce nunc benedicite.....               | 57  |      |
| Eripe me Domine.....                    | 45  |      |
| Eripe me de inimicis.....               | 186 |      |
| Exaltabo te Domine.....                 | 205 |      |
| Exaudiat te Dominus..... XXXVII         |     |      |
| Expectans expectavi.....                | 180 |      |
| Exultate Deo adjutori nostro.....       | XL  |      |
| Fundamenta ejus..... XLV                |     |      |
| In convertendo.....                     | 44  |      |
| In exitu Israel.....                    | 40  |      |
| In te Domine speravi.... libera me.     | 58  |      |
| In te Domine speravi.... et eripe..     | 142 |      |
| Jubilatio Deo omnis terra.....          | 15  |      |
| J, ilate Deo... psalmum..... XXXIX      |     |      |
| Ecclesis benedicite..... XLVII          |     |      |
| Judica me Deus.....                     | 213 |      |
| Letatus sum.....                        | 44  |      |
| Lauda Jerusalem.....                    | 60  |      |
| Laudate Dominum de oculis.....          | 18  |      |
| Laudate Dominum in canticis ejus.       | 19  |      |
| Laudate Dominum omnes gentes..          | 43  |      |
| Laudate Dominum quoniam..... XXX        |     |      |
| Laudate pueri Dominum.....              | 40  |      |
| Levavi oculos meos.....                 | 44  |      |
| Memento Domine David.....               | 46  |      |
| Miserere mei, Deus, secundum...         | 163 |      |
| Nisi Dominus edificaverit.....          | 45  |      |
| Notus in Judæa Deus.....                | 153 |      |
| Quam bonus Israel Deus.....             | 161 |      |
| Quam dilecta tabernacula..... XLIII     |     |      |
| Quare fremuerunt gentes.....            | 170 |      |
| Qui habitat in adjutorio.....           | 58  |      |
| Salvum me fce Deus.....                 | 139 |      |
| Ut quid Deus.....                       | 153 |      |
| Voce mea....deprecatu sum.....          | 49  |      |
| Voce mea....et intendit.....            | 159 |      |

## CANTICA.

|                                   |     |                           |     |
|-----------------------------------|-----|---------------------------|-----|
| Benedicite omnia opera.....       | 17  | Ego dixi in dimidio.....  | 214 |
| Benedictus....quia visitavit..... | 21  | Magnificat anima mea..... | 42  |
| Cantemus Domino gloriose.....     | 185 | Nunc dimittite.....       | 59  |
| Domine auditionem.....            | 194 | <i>Te Deum</i> .....      | 13. |

*Litanie Sanctorum. XXVI.*

## ERRATUM

Fol. 494. Grad. Rom. in festo S. Rochi. legatur XVI. pro XXI.